Vol. 1, September 2024

VIDYANJALI

SHRI SANATAN DHARAM
SARASWATI BAL MANDIR
SENIOR SECONDARY SCHOOL

Road No-70, West Punjabi Bagh, New Delhi-110026

shrisbmpbagh@gmail.com

+91 98183 01136

विद्या भारती

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा-प्रणाली का विकास करना है, जिसके
द्वारा ऐसी युवा -पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं
राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक
एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की
वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक
कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों,
गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने
वाले दीन-दुःखी अभावग्रस्त अपने
बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों,
शोषण एवं अन्याय से मुक्त
कराकर राष्ट्र जीवन को
समरस, सुसम्पन्न
एवं सुसंस्कृत
बनाने के लिये
समर्पित
हो।

सुखराज सेठिया (अध्यक्ष)

समर्थ शिक्षा समिति

नमस्ते ।

बहुत प्रसन्नता का विषय है कि 'श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर विद्यालय,पंजाबी बाग' अपनी ई-विद्यालय पत्रिका "विद्याञ्जलि " सत्र 2024-25 प्रकाशित करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका में विद्यालय की अनेक गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों के द्वारा किए गए अनुपम कार्यों का वैशिष्ट्य समाहित है, जो विद्यालय परिवार के लिए उल्लेखनीय है। विद्यालय के प्रधानाचार्य, सभी आचार्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय को नये शिखर तक पहुंचाने के कार्यों का समावेश इस पत्रिका के माध्यम से किया जा रहा है। इस विशिष्ट प्रयास के लिए विद्यालय परिवार को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाइयाँ एवं अग्रिम भविष्य के लिए कोटि-कोटि शुभकामनाएँ।

हार्दिक शुभेच्छा के साथ........!

कुलवीर कुमार शर्मा (महामंत्री)

समर्थ शिक्षा समिति

नमस्कार ।

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि 'श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर विद्यालय,पंजाबी बाग ' अपनी ई-विद्यालय पत्रिका विद्याञ्जलि " सत्र 2024-25 प्रकाशित करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों द्वारा अर्जित ज्ञान को अपनी रचित एवं संकलित रचनाओं के माध्यम से परिमार्जित एवं परिष्कृत करने का कार्य करती है, विद्यार्थियों द्वारा अपने विचारों एवं विचारधारा को अभिव्यक्त करने का एक सरल, सहज एवं सशक्त माध्यम होती है। विद्यालय-पत्रिका विद्यालय की एक नैसर्गिक तस्वीर है, जिसमें विद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की झलकियाँ प्रदर्शित है। विद्यालय-पत्रिका का प्रकाशन विद्यालय परिवार के सामूहिक उद्यम का परिणाम है। इस सराहनीय प्रयास के लिए विद्यालय परिवार को हृदय की अंतरतम गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगल शुभकामनाएँ।

हार्दिक शुभेच्छा के साथ........!

प्रमोद गोयल (कोषाध्यक्ष)

समर्थ शिक्षा समिति

नमस्ते।

श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग के द्वारा " तमसो मा ज्योतिर्गमय " इस उक्ति को छात्रों के जीवन में सार्थक कराया जा रहा है। विद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों के चहुँमुखी विकास का एक चित्र " विद्याञ्जलि " पत्रिका के प्रकाशन द्वारा समाज में प्रस्तुत किया गया है। पत्रिका में छात्रों की अकादमिक , सामाजिक, सांस्कृतिक और खेलकूद की विशिष्ट उपलब्धियों का सुंदर वर्णन पाठकों के समक्ष किया गया है। समस्त विद्यालय परिवार को इस अवसर पर मैं हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान करता हूँ तथा निरन्तर उन्नति की कामना करता हूँ।

नमस्कार
अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विद्यालय की रचनात्मक ई-पत्रिका "विद्याञ्जलि" का प्रकाशन किया जा रहा है। छात्रों के चतुर्विध कौशलों तथा सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने हेतु यह पत्रिका एक सराहनीय एवं उत्तम विचार है ।
श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर पंजाबी बाग विद्यालय के सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मैं कामना करता हूँ। आशा करता हूँ कि विद्यालय परिवार के सभी छात्र व आचार्यगण इस पत्रिका से लाभान्वित होंगें।
मैं इस ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सुनील कुमार जलान (अध्यक्ष)
समर्थ शिक्षा समिति

महिंद्र ठाकुर

समर्थ शिक्षा समिति
उत्तरी विभागीय मंत्री

नमस्कार।

बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग विविधताओं से युक्त अपनी पत्रिका विद्याञ्जलि प्रकाशित कर रहा है। विद्यालय की अकादमिक एवं अन्य सामाजिक व खेलकूद गतिविधियों का पत्रिका में विशद् व विस्तृत विवरण है। यह पत्रिका विद्यालय के छात्रों को ऊर्जा व उत्साह प्रदान करेगी व उन्हें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। विद्यालय के छात्रों व सभी आचार्यों को मेरी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ।

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। "

(स्वामी विवेकानंद)

Bear in mind that the wonderful things that you learn in your school are the work of many generations. All this is put in your hands as your inheritance in hope that you may receive it, honor it, add to it, and one day faithfully hand it on to future generations.

BEST WISHES

VIDYANJALI

Mrs. Malini Lalit Bansal
PRESIDENT

It gives me immense pleasure to know that our school is taking another leap by publishing it's own school magazine VIDYANJALI. I would like to appreciate every member who has contributed towards the growth and glory of this institution and wish everyone all the very best for the upcoming endeavors.

As the President of the school, I consider myself fortunate to be part of an institution that has earned its own niche in providing an atmosphere to our students for multifaceted development, where children our encouraged to channelize their potential in the persuit of excellence.

The parents are the most strengthening power in moulding the future of children. Their consistent support empowers us to do more and more. I pay my gratitude to them for their faith in us.

I also laud the relentless efforts of our teachers who consistently strive to bring out the best in each child. I compliment and congratulate the 'Editorial Team' for the wonderful portrayal of their creative acuity in providing us a sneak peek into the activities of the gone by.

I am confident enough that SBM Punjabi Bagh will make itself stronger day by day, adding a new leaf to the grandeur of the school.

नमस्कार ।
मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि विद्यालय की रचनात्मक पत्रिका *"विद्याञ्जलि"* का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यालय के अकादमिक, शोध,सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों तथा रचनात्मक कार्यकलापों को प्रसारित एवं प्रचारित करने हेतु पत्रिका एक महत्वपूर्ण माध्यम है ।
श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर,पंजाबी बाग विद्यालय विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान दे रहा है। विद्यालय से जुड़ी गतिविधियों तथा उपलब्धियों के साथ-साथ स्थानीय, सामाजिक,आर्थिक,सांस्कृतिक,पर्यावरणीय क्षेत्र में विद्यालय की सक्रिय भागीदारी सराहनीय है।
मैं आशा करता हूँ कि यह पत्रिका विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन एवं उनके विचारों में रचनात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगी। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।
मंगलकामनाओं सहित।

दीपक मेहता

(व्यवस्थापक)

THE PRINCIPAL SPEAKS

“Education is not the learning of facts,but the leaning of the mind to think”

Our institution has always believed in nurturing the all-round development of students, providing them with opportunities to excel not just in academics but also in co-curricular and extracurricular activities. The past tenure has been a testament to the dedication, hard work, and enthusiasm of our students and teachers alike.

We have witnessed remarkable achievements in various fields, be it in academics, sports, or cultural events. The success of our students at the Kshetriya Yogasana Competition, their creative presentations during the Science Fair, and their participation in diverse literary and sports activities reflect their passion for learning and growing.

I believe that every student has unique potential, and it is our responsibility as educators to provide them with a platform to explore, innovate, and express themselves. Our school strives to create an environment where curiosity is nurtured, values are inculcated, and character is built. The continuous success of our students is the result of their hard work, the support of their parents, and the tireless efforts of our teachers.

As we move forward, let us keep our focus on holistic education—one that develops the mind, body, and spirit. Let us continue to embrace the ideals of our culture, the spirit of scientific inquiry, and the pursuit of excellence.

I extend my heartfelt congratulations to all the students and staff for their achievements and contributions. Together, let us take our school to greater heights of success.

Wishing you all the very best for the future!

Nagendra Kumar Pandey

Principal

EDITORIAL BOARD

ADVISOR

Sh. Nagendra Kumar Pandey (Principal)

CHIEF EDITOR

Miss Mallika Gandhi

IT Department

Mrs.Punita Kumari

MRS.SONIA YADAV
MISS BHAWNA SHARMA

English Department

Mrs.Soma Chaudhary

MISS.RACHANA
MRS.SAMRIDDHI
MRS.YOJANA

Hindi Department

Miss.Aastika Sharma

MISS.CHESHTA
MRS.HEMLATA

Sanskrit Department

Mr.Shambhu Prasad

MR.ANAND
MRS.SAKSHI

MR.KAPIL KUMAR
(PUBLICATION CONSULTANT)

SHRI SANATAN DHARAM SARASWATI BAL MANDIR SCHOOL

SHRI SANATAN DHARAM SARASWATI BAL MANDIR SCHOOL

SHRI SANATAN DHARAM SARASWATI BAL MANDIR SCHOOL

SADAN IN-CHARGE
MRS. SWATI BAWARI

SAVITRIBAI PHULE HOUSE

Tagline-:Be Educate to Elevate.

AIM-To empower students through holistic development by fostering confidence, leadership, and social responsibility, while upholding the values of inclusivity, respect, and cultural diversity, inspired by the legacy of Savitribai Phule.

SADAN IN-CHARGE
MRS. RANJANA SAGGI

KALPANA CHAWLA HOUSE

Tagline-:Dream, Believe, and Succeed.

AIM-Encourage students to dream big and use their imagination to envision their future. Just as Kalpana Chawla dreamt of reaching the stars, students should be motivated to set ambitious goals for themselves.

EARTH DAY CELEBRATION

22 April,2024

The festivities commenced with a soulful school prayer, followed by an enlightening Nukkad Natak orchestrated and performed by the students pledge ceremony wherein students and faculty alike pledged to embrace eco-friendly practices in their daily lives. School's Eco -club, an array of initiatives was launched to instill environmental consciousness among students and inspire proactive contributions towards the planet's preservation. Through activities such as plantation .

दिनांक - 4 मई 2024

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण के वैज्ञानिक व समसामयिक महत्व बताना।

क्रियाकलाप छात्रों को सीड बॉल के द्वारा अनेक आकृतियाँ बनवाना।

- वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का मूल्यांकन
- पारिस्थितिक तंत्र विश्लेषण
- सतत विकास सिद्धांतों का कार्यान्वयन

पर्यावरण संरक्षण

प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा

(SEED BALLS)

Eco-Bricks

WORKSHOP

The workshop introduced the innovative concept of using plastic bottles packed with non-biodegradable waste, such as plastic wrappers and bags, as sustainable building materials. Participants were guided through the eco-brick making process, and a video demonstration highlighted practical ways to repurpose everyday plastic waste for environmental benefits.

नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग (आवासीय)

श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर, पंजाबी बाग विद्यालय

उद्देश्य :- नवचयनित आचार्यों को उच्चतम गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक क्षेत्र में और अधिक सक्षम बनाना है।
इस वर्ग में विभिन्न सत्रों का समावेश हुआ। जैसे – वैचारिक सत्र, आधारभूत विषयों का मूल्यांकन(योग,संगीत एवं संस्कृत), नैतिक सत्र, सांस्कृतिक सत्र आदि।

17 जून 2024 से 26 जून 2024 तक

ANNUAL VAN MAHOTSAV CELEBRATION

ON July 7th 2024 ,
at 9:00 am

Celebrated Van Mahotsav with a tree plantation drive, where students planted saplings and learned about the importance of trees for ecological balance. They also attended a session on advanced plant propagation techniques, such as grafting and layering, to deepen their understanding of sustainable cultivation.

जल संगोष्ठी

दिनांक **12** जुलाई **2024**

- जल संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए एक सुंदर गीत प्रस्तुति।
- छात्रों को जल संरक्षण हेतु मार्गदर्शित करना।
- पेड़-पौधों को लगाने और बचाने के महत्व पर प्रेरणा।

वार्षिक गीत

गीत प्रतियोगिता

2024-25

विद्या भारती द्वारा निर्धारित सत्र 2024-25 के छात्रों के लिए वार्षिक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

धर्म कर्म कर्तव्य मार्ग पर निशदिन
बढ़ते जाएंगे ।
अपनी भारत माता को हम जग सिर
मौर बनायेंगे ॥

तृतीय से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए बहुप्रतीक्षित गीत प्रतियोगिता 16 जुलाई 2024

20 July,2024

GURU PURNIMA CELEBRATION

A teacher impacts eternity; the extent of their influence is never fully known.

Monitors Workshop

23 July ,2024

our school hosted a distinguished batch ceremony for the monitors of classes VI to XII. The event commenced with an inspiring address by the principal, Shri Nagendra Kumar Pandey ji. In his eloquent speech, the principal lauded the monitors for their commendable efforts in upholding discipline within their classes.

Best Student

अलंकरण समारोह

23 जुलाई,2024

इस कार्यक्रम में विद्यालय के नवचयनित हैड गर्ल-हेड बॉय, अनुशासन टीम एवं विभिन्न विभागों के लिए प्रतिनिधियों को बैजेस वितरित किए गए। कक्षा बारहवीं से समर यादव तथा सान्या हेड बॉय एवं हेड गर्ल चयनित किए गए।

26 , जुलाई

कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस के बारे में जानकारी तथा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन।
कारगिल युद्ध में शहीदवीरों के त्याग, बलिदान और समर्पण का संस्मरण।
विद्यालय मैदान में वृक्षारोपण।

Welcoming of New Management

Welcomed the new management members, Mrs. Malini Bansal ji, President, and Dr. Deepak Mehta ji, Manager.

The assembly hall, filled with a sense of reverence and unity, Mrs. Bansal and Dr. Mehta received a Patka and Nariyal as traditional tokens of respect. Principal sir conveyed deep appreciation for their leadership and commitment to furthering the school's development.

Congratulations!

NEET TOPPERS

KUSH
MARKS 687/720

RACHIT PUNETHA
MARKS 655/720

IIT JEE MAINS TOPPERS

TANISHKA GUPTA
98.47 PERCENTILE

ABHINAV ARORA
97.5 PERCENTILE

DOE
ZONAL LEVEL

FIRST POSITION
HINDI EXTEMPORE

SECOND POSITION
SANSKRIT POEM RECITATION

THIRD POSITION
HINDI DEBATE

ADITYA KUMAR
CLASS VIII A

PRIDE OF OUR SCHOOL

DOE (ZONAL LEVEL)
HINDI POEM RECITATION
FIRST POSITION

DOE (INTER ZONAL LEVEL
HINDI POEM RECITATION
FIRST POSITION

SOLO CLASSICAL DANCE
FIRST POSITION

Lavanya Athwal (XthC)

DOE Zonal Level

Triumph at the DOE:
A Celebration of Talent and Dedication

Aryan Upadhyay (VIII A)
Hindi Declamation
First Position

Vansh Dubey (VIII B)
Hindi Essay Writing
Third Position

Rishi Raj (XII B)
English Poem Recitation
Third Position

"Youth is the best time. The way in which you utilize this period will decide the nature of coming years that lie ahead of you."

DOE Zonal Level

Triumph at the DOE:
A Celebration of Talent and Dedication

Aryan &Anant
VIIIA

Collge Making Competition
Third Position

Aasvi & Diya
VIII B

English Debate
Third Position

Atharv & Aditya
VIIIA

Hindi Debate
Third Position

Youth is the best time. The way in which you utilize this period will decide the nature of coming years that lie ahead of you."

DOE Zonal Level

Folk Song
First Position

Group Song
2nd **Position**

Congratulations

DOE (ZONAL LEVEL)

GURJEET SINGH (VIII B)

ENGLISH ESSAY WRITING
FIRST POSITION

KRITIKA SACHDEVA (VII B)

ENGLISH POEM RECITATION
SECOND POSITION

DEV KUMAR (XII A)

ENGLISH ESSAY WRITING
FIRST POSITION

ABHIGYAN THAKUR (VIII B)

PERCUSSION INSTRUMENT
THIRD POSITION

ATULANSH (XII A)

ENGLISH DECLAMATION
THIRD POSITION

दिल्ली पुस्तक मेला

10 अगस्त,2024

विद्यार्थियों को 10 अगस्त 2024 को "दिल्ली पुस्तक मेला – 2024" देखने का अवसर मिला, जिसमें देश भर के पुस्तक प्रिय, लेखक और प्रकाशक एक साथ अपनी मौलिकता, रचनात्मक तथा अभिव्यक्ति को दर्शाते हैं।

विज्ञान मेला प्रदर्शनी

दिनांक 10 अगस्त 2024

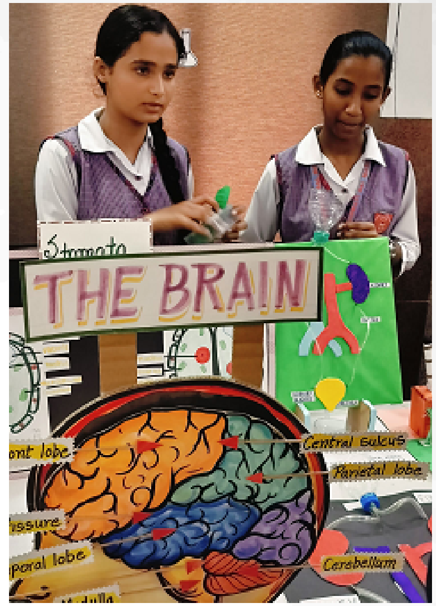

विज्ञान मेले के इस आयोजन में छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के नवीन तथा भविष्य उपयोगी तकनीक के विभिन्न मॉडलों का प्रदर्शन किया ।

कक्षा चतुर्थ से कक्षा बारहवीं

Independence day Celebration

14 AUG,2024

The 78th Independence Day was celebrated with great fervor & enthusiasm in the school premises.

The flag was hoisted, and the National Anthem was sung. Students enthusiastically participated in a variety of activities.

जयतु संस्कृतम्

जयतु भारतम्

संस्कृत-सप्ताहः

20 अगस्त त: 27 अगस्त 2024 पर्यन्तम्

संस्कृतस्य कृते जीवन्

वृत्तान्तः

संस्कृतस्य कृते यजन्

श्री सनातन-धर्म-सरस्वती-बाल-मन्दिर-विद्यालये ऐन प्रकारेण छात्रा: गीतं, श्लोकं, सुभाषितं, नाटकं, स्तोत्रं, वस्तु-प्रदर्शिनीं च संस्कृतसप्ताहस्य समाप्तेः विविधैः कार्याणि अभवन्। प्रधानाध्यापकः श्रीमन्त: नगेन्द्रकुमारपाण्डेय: संस्कृतश्लोकानां माध्यमेन संस्कृते गुप्तज्ञानसम्पदां जागृत्य छात्रान् प्रेरितवन्तः, सर्वान् संस्कृतशिक्षकान् छात्रान् च अभिनन्दितवन्तः। संयोजक: संस्कृताचार्यः शम्भूप्रसादः, सह-संयोजक: आनन्दः, साक्षी महोदया च आसन्।

Happy Raksha Bandhan

A heartfelt visit was organized on the occasion of Raksha Bandhan, where girl students visited the local police station to tie rakhis to the police officers. The officers were deeply moved by this gesture and blessed the girls, offering them gifts in return. The girls also tied Raksha Sutras to their classmates, fostering a spirit of unity and protection.

श्री कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम

24 अगस्त,2024

श्री कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।
प्रणतक्लेश नाशाय गोविन्दाय नमो नमः।।

इस आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा वक्तव्य , गीत गायन , श्लोक गायन तथा नृत्य जैसी प्रस्तुतियाँ दी गई । इस आयोजन में समस्त विद्यालय ने अपनी भागीदारी दर्ज कराते हुए विभिन्न कार्यों को पूर्ण किया|

हिंदी ओलंपियाड

31 अगस्त,2024

दिनांक 31अगस्त,2024 को सफलतापूर्वक हिंदी ओलंपियाड का आयोजन किया गया,जिसमें कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थी प्रतिभागी रहे।

शिक्षक दिवस

5 सितंबर,2024

इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे नृत्य ,गीत, लघु नाटक एवं वक्तव्य प्रस्तुत किए। हमारे माननीय प्रधानाचार्य श्री नगेन्द्र कुमार पाण्डेय जी को उनके अटूट समर्पण और सराहनीय योगदान के लिए श्री प्रमोद गोयल जी द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य जी द्वारा विभिन्न आचार्यों को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

हिन्दी दिवस

14 सितंबर 2024

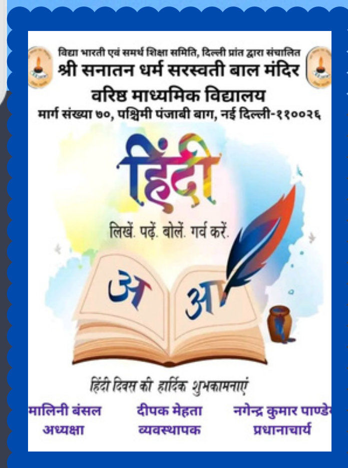

'हिंदी , हिंदू तथा हिंदुस्तान की इस संस्कृति को बताते हुए, प्रधानाचार्य जी ने हिंदी भाषा के महत्व को बनाए रखने का संदेश सभी छात्रों को दिया।

TINY TOTS OF VATIKA

क्रीड़ा विभाग की विभिन्न उपलब्धियाँ

दिल्ली शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग के छात्रों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 50 पदक प्राप्त किये गए।

विद्या भारती दिल्ली प्रान्त द्वारा 25 से 27 जुलाई तक आयोजित 35वीं खेलकूद प्रतियोगिता (जूडो/कुश्ती/कुराश) में श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग के छात्रों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त किये गए।

श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग की बारहवीं कक्षा की छात्रा सान्या द्वारा एशिया कप में ताइक्वांडो खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया गया।

विद्या भारती द्वारा **3** से **5** सितम्बर तक जींद हरियाणा में **35**वीं उत्तर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग के छात्रों व छात्राओं द्वारा बॉक्सिंग व खो खो में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कई पदक प्राप्त किये गए एवं विद्यालय का सम्मान बढ़ाया।

विद्या भारती द्वारा प्रान्त स्तर पर **3** अगस्त **2024** को एम.सी.एल हरी नगर में आयोजित दिल्ली प्रान्त बॉक्सिंग प्रतियोगिता में श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग के छात्रों ने **17** पदक प्राप्त कर विद्यालय का सम्मान बढ़ाया।

विद्या भारती द्वारा **7** अगस्त **2024** को प्रान्त स्तर पर हरी नगर में आयोजित वालीबॉल प्रतियोगिता में श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मन्दिर विद्यालय पंजाबी बाग के छात्रों ने पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया तथा हरी नगर विद्यालय को परास्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

योगासन प्रतियोगिता

दिनांक - 26 जुलाई से 27 जुलाई 2024 तक

स्थान - ज्ञान प्रकाश सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय, मीरा बाग,नई दिल्ली

श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर ,पंजाबी बाग, दिल्ली के 6 छात्राओं ने प्रथम स्थान,1 छात्र ने प्रथम स्थान तथा 3 छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दिनांक - 27 अगस्त से 29 अगस्त तक

35 वीं क्षेत्रीय योगासन प्रतियोगिता

श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर पंजाबी बाग विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कुल 13 पदक जीते । जिसमें 12 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीता।

स्थान - सरस्वती विद्या मंदिर बिलासपुर ,हिमाचल प्रदेश

बचाओ वृक्ष बचाओ पानी

जितना खराब करेंगे पर्यावरण,उतनी ही होगी हमारी हानि।
जीवन को बचाना है तो बचाओ वृक्ष, बचाओ पानी।।
पर्यावरण है तुम्हारी माता, तुमने ही पहुंचाया इसको नुकसान ,
अपने भोजन के लिए हम लोग लेते रहे पशु पक्षियों की जान ।
चलता रहेगा ऐसा ही तो खोल लो तुम कान,
पर्यावरण का होगा नाश तो महंगी कीमत पड़ेगी चुकानी।।
जीवन को बचाना है तो बचाओ वृक्ष बचाओ पानी ।।1।।
पर्यावरण को बचाने का करोगे काम,
तो मिलेगा तुम्हें जीवन भर आराम।
बचाओ पानी और वृक्ष को तो सृष्टि करेगी तुम्हें प्रणाम,
हो जाएंगे सब खुश अगर बात तुमने मेरी मानी।
जीवन को बचाना है तो बचाओ वृक्ष बचाओ पानी ।।2।।

(आदित्य कुमार)
(आठवीं 'अ')

सनातन धर्म की महिमा

सनातन धर्म, जो अनंत की धारा,
समय की सीमाओं से परे, अडिग, न हारा।
वेदों की वाणी में छिपा, ज्ञान अपार,
जिससे जग में फैली, प्रेम की पुकार।

धर्म की नींव पर टिकी यह सृष्टि,
सत्य और अहिंसा की, जिसमें सजीव कृति।
कर्म के सिद्धांतों से बंधा हर जीव,
पुण्य और पाप से निर्मित, जीवन का तीर।
योग और भक्ति की है इसमें राह,
ध्यान और सेवा से मिलता प्रभु का साथ।
संस्कारों की माला, जो पीढ़ियों से चली,
संस्कृति की इस धारा ने,
दुनिया को पिरोया सलीके से मिली।

रघुकुल, राम, कृष्ण की गाथा,
ज्ञान की ज्योति, जो फैली जगमगाता।
सनातन धर्म की ये अमर कहानी,
जिसमें छिपी है सच्चाई, सबसे पुरानी।

(आर्यन उपाध्याय)
(आठवीं 'अ')

अनजानी राहें

अनजानी उन राहों पर कुछ अनजाने से राही मिले
जीवन की इस जंग में शामिल कई सारे सिपाही मिले,
कुछ लोग मिले जो साहिल थे अपने कामों में माहिर थे,
उन लोगों से कुछ जख्म मिले, और कुछ जो मिली वो यादें थी,
थोड़े से तो ताने थे पर कुछ जो मिली वो बातें थी,
उनसे कुछ तो आदेश मिले और कुछ जो मिली फरियादें थी।
उन राहों पर कुछ मित्र मिले, जो मित्र मिले मस्ताने थे,
काबिल तो थे बहुत पर अपने आप से ही अनजाने थे।
जब बड़ा मैं आगे रस्ते पर तो वहां पड़ा मुझे प्रेम मिला,
जो प्रेम मिला वो आधा था, सुंदर सुशील और सादा था,
जो खुशी मिली वो कम थी थोड़ी और दुख जो मिला वो ज्याद था।
फिर आगे बढ़ना शुरू किया और मिला बोहोत कुछ आगे भी,
एक जगह मिली जो सुंदर थी, जहां थे भाग्यवान और अभागे भी।
वहां जाने की एक राह मिली, जो राह मिली अनजानी थी, जहां,
रस्ते को देखते राह रोकते एक नई परेशानी थी।
फिर चलता रहा सब ऐसे लेकिन मुझको कुछ भी मिला नहीं।
फिर रस्ता ये भी खत्म हुआ, और मुझको मुझसे मैं ही मिला।
जब मिला मुझिसे मैं तब मुझमें मुझसा कुछ भी मिला नहीं,
जो मिला था मुझमें मुझसा मुझको वो भी मुझको मिला नहीं।
उस रस्ते के फिर अंत में आकर बात मुझे ये पता चली,
के मिला तो सबको सबकुछ हैं, पर मिलकर कुछ भी मिला नहीं।

ऋषि राज चौबे
बारहवीं (ब)

विद्यालय में मेरा पहला दिन

नए विद्यालय में मेरा पहला दिन एक नए सफर की शुरूवात तो थी साथ ही साथ एक अनोखा अनुभव भी था।मैं उत्साह से तो भरी थी लेकीन मेरे मन में घबराहट भी थी। एक तरफ तो मैंने नए मित्र बनाए तो दूसरी तरफ मेरे पुराने साथियों की छवि मेरे साथ थी। पहले दिन तो मैं स्वयं में थोड़ा उलझी हुई रही परंतु मेरे दिमाग में नए विचार भी चल रहे थे।मैने पूरी कक्षा के सामने अपना परिचय दिया । मैं नए लोगो से घिरी हुई थी , सारे बच्चे और अध्यापक मेरे लिए अंजान थे। बच्चे मिलनसार थे और वह लोग मुझसे बात करने लगे तब मुझे थोड़ा अच्छा लगने लगा। अध्यापकों का व्यवहार मेरे हृदय को स्पर्श कर बैठा तथा मैने सोचा की अब राह थोड़ी सरल रहेगी।इस प्रकार ही मैने कुछ नए दोस्त भी बनाए। पहले दिन तो मुझे अपने पुराने विद्यालय की काफी याद आ रही थीं ,एक दो बार तो मेरी आंखें नम भी हो गई लेकिन एक नए अध्ययन के लिए ये सब जरूरी था। एक नए माहौल में ढलना आसान नहीं होता लेकिन समय के साथ साथ सब कुछ सही हो जाता है। नए विद्यालय में पहला दिन मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। एक नए परिवेश ने मुझे बहुत कुछ सिखाया।

(रिया पाण्डेय)
(ग्यारहवीं 'स')

क्रोध का सार

वैसे तो बहुत शांत हूं मैं
हर विपदा का समाधान हूं मैं ।।
मोह मैं करता नहीं
विद्रोह मैं सहता नहीं

मगर भाव है मुझमें भी एक ।।
हम क्रोध कहते हैं जिसे
मेरे विवेक को हरता है
अवरोध कहते हैं इसे

मैं क्रोधित हुआ हूं जब – जब ।।
अंधियारा छाया है तब – तब
इसने हर ज्ञान की चिंगारी को
पल भर में ही बुझाया है

है क्रोध क्या , किसने जाना ? ।।
जाना तो केवल विनाश है
जो छाया इसके पश्चात है

यह भाव मनुज में होता है ।।
इससे मात्र रण अनंत है
मेरा हृदय घबराता है ,
कहता है इससे अंत है

अंत है उस बुद्धि का
उस ज्ञान का विद्वान का ,
जिसके मस्तक पर नाश है छाता
उस नायक के मान का

इस क्रोध ने अपनी सीमा को ।।
क्षण भर भी तो छोड़ा नहीं
मेरे भीतर के प्रेम ने इसे
कण भर भी तो तोड़ा नहीं

मानव को वश में करता है।।
फ़िर खेल रचाता है ऐसा
जिससे प्रलय आती है
और सबको ही दहलाती है

मन में मेरे एक काश है ।।
किंतु ये क्रोध करता उसका
विनाश है

क्या ही था अब इसके पश्चात।।
क्रोध था वह ,
कर गया आघात।।
इससे मित्रता भली नहीं।।
ये रौद्र रूप है केवल रिपु समान।।

जिज्ञासा ब्राह्मी
ग्यारहवीं (स)

संस्कृत - गीतम्
"आनन्दमय जीवनम्"

आनन्दमय जीवनं, सुन्दरं सर्वदा।
धैर्यं धारणं कर्तव्यं, सर्वे सुगमदा॥
मंगलं मयि सर्वत्र, प्रेमपूर्णा कथा।
सत्यमेव जयते, सर्वं मम साधना॥

विद्याधनं सर्वश्रेष्ठं, ज्ञानं मोक्षदा।
कर्तव्यपथे स्थिरं, लक्ष्यं मम साध्या॥
धर्मो रक्षति रक्षितः, सत्यं सत्यं वद।
नैष्कर्म्यसिद्धिं लभते, भक्तिं समर्पय॥

सह्यं सर्वं भवति, योगेन जीवनम्।
साधनं सदा कुरु, साधनं शान्तिम्॥
तुल्यं सर्वे सुहृदः, न द्वेषो न भयः।
विश्वं भ्रातृत्वं भवतु, स्नेहमयः वयम्॥

वंशः (अष्टमी - 'ब')

Hello hi मास्तु

HELLO HI मास्तु, हरि ॐ वदतु।
GOOD MORNING मास्तु, सुप्रभातं वदतु।
GOOD AFTERNOON मास्तु, सुमध्याह्नं वदतु।
GOOD EVENING मास्तु, शुभसंध्या वदतु।
GOOD NIGHT मास्तु, शुभरात्रि वदतु।
MOM DAD मास्तु, माता पिता वदतु।
BROTHER SISTER मास्तु, भ्राता भगिनी वदतु।
SORRY SORRY मास्तु, क्षम्यतां वदतु।
THANK YOU मास्तु, धन्यवादः वदतु।
WELCOME WELCOME मास्तु, स्वागतं वदतु।
TATA BYE BYE मास्तु, राम राम वदतु।
SEE YOU SEE YOU मास्तु, पुनर्मिलामः वदतु।

यशिका सोनकरः
चतुर्थी 'अ'

जयतु संस्कृतम्   जयतु भारतम्

पठत संस्कृतम्

पठत संस्कृतम्, वदत संस्कृतं
लसतु संस्कृतं चिरं गृहे गृहे च पुनरपि ॥ पठत ॥

ज्ञानवैभवं वेदवाङ्मयं
लसति यत्र भवभयापहारि मुनिभिरार्जितम् ।
कीर्तिरार्जिता यस्य प्रणयनात्
व्यास-भास-कालिदास-बाण-मुख्यकविभिः ॥ १॥

स्थानमूर्जितं यस्य मन्वते
वाग्विचिन्तका हि वाक्षु यस्य वीक्ष्य मधुरताम् ।
यद्विना जना नैव जानते
भारतीयसंस्कृतिं सनातनाभिधां वराम् ॥ २॥

जयतु संस्कृतम्, संस्कृतिस्तथा
संस्कृतस्य संस्कृतेश्च प्रणयनाच्च मनुकुलम् ।
जयतु संस्कृतम्, जयतु मनुकुलं
जयतु जयतु संस्कृतम्, जयतु जयतु मनुकुलम् ॥
३॥

परिधिः लालवानि
चतुर्थी 'अ'

Ships Do Not Sink Because of the Water around Them
They Sink Because of the Water That Gets into Them, So does Life

The saying "Ships don't sink because of the water around them; ships sink because of the water that gets into them" serves as a powerful metaphor for how external challenges impact our internal well-being. It conveys the idea that it’s not what happens to us that causes our downfall, but how we allow those circumstances to affect us from within.

We are constantly surrounded by troubles and adversities, much like a ship navigating a vast ocean. Life can throw unexpected obstacles our way—stress, negative remarks. Just as a ship can sail through both calm and stormy seas, we can handle external challenges as long as we maintain emotional and mental strength.

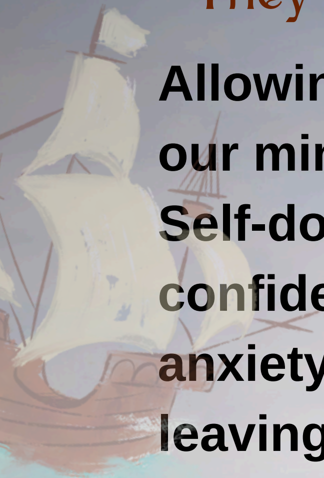

Ships Do Not Sink Because of the Water around Them
They Sink Because of the Water That Gets into Them, So does Life

Allowing negative thoughts, anxieties, and others' opinions to enter our mind set is like letting water leak into a ship.

Self-doubt begins to surface, and if left unchecked, it erodes confidence from the inside. A small leak, slowly grows, feeding more anxiety and self-doubt. Eventually, the "leak" becomes a flood, leaving the person feeling defeated—just as a ship succumbs to the pressure of the water inside.

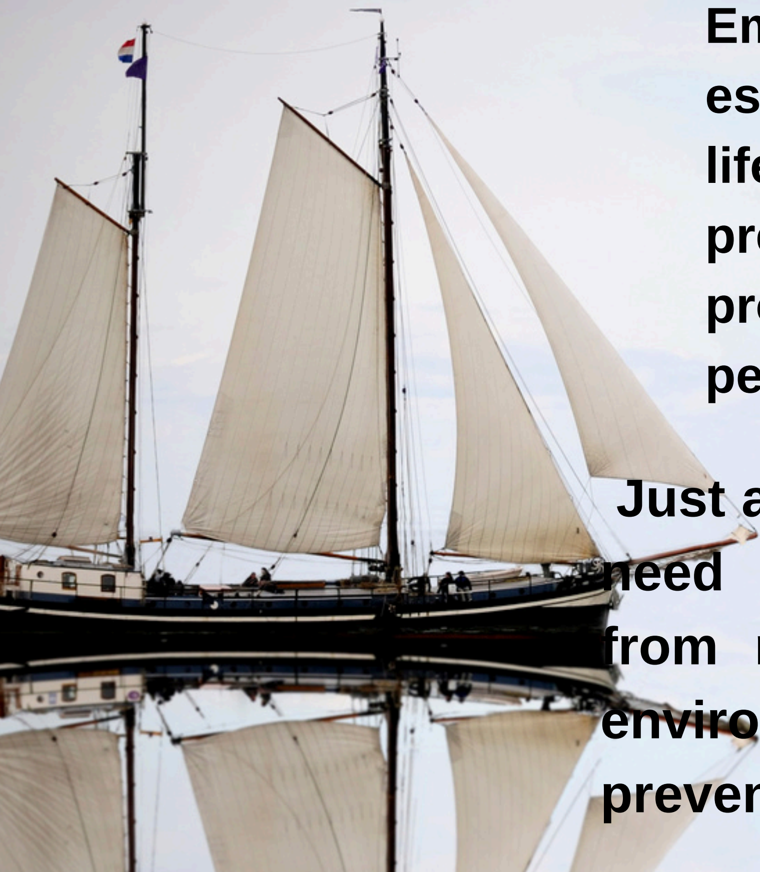

Emotional resilience and mental strength are essential to staying buoyant in the face of life’s challenges.Just as a ship stays afloat by preventing water from entering, we can protect ourselves by not allowing negativity to penetrate our inner being and weigh us down.

Just as ships have barriers to keep water out, we need personal boundaries to shield ourselves from negativity. By limiting exposure to toxic environments and learning to say no, we can prevent ourselves from becoming overwhelmed.

Ships Do Not Sink Because of the Water around Them
They Sink Because of the Water That Gets into Them, So does Life

We need to control our negative thoughts.They need to be addressed before they become overwhelming.

Instead of lamenting, we need to concentrate on navigating and finding solutions, rather than fixating on the storm.

Most importantly maintaining a positive outlook is crucial to keeping water (stress) out of your ship (life). Optimism and faith act as inner forces, enabling you to stay resilient and indomitable, even in the most discouraging circumstances.

Adversity and challenges in life are inevitable. We all face external pressures, but we falter only when we allow these pressures to invade our inner strength. By building resilience, setting healthy boundaries, and maintaining hope, we can navigate life's challenges without sinking, keeping our inner world protected and steady above the waters.

Kunal XII-B

The Frostbound Elegy

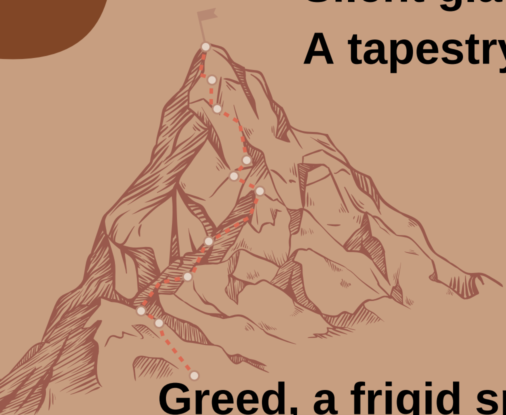

In the realm where shadows cling to frost-kissed earth,
A world is carved in icy despair, reflecting a cold birth.
Silent glacial rivers weave their desolate threads,
A tapestry of sorrow where the heart’s warmth dreads.

Glistening mountains of ancient grief loom tall,
Their peaks, sharp as the coldness in humanity’s fall.
The wind whispers through the barren, frigid trees,
Echoing the stark truth of the world’s silent pleas.

Greed, a frigid specter, rules with an icy hand,
Its touch chills the marrow, seizes the land.
Eyes glazed over, hollowed by ambition's blight,
Seeking warmth in treasures that drain the light.

In the heart of this frost, sorrow’s chill runs deep,
An endless winter where lost souls weep.
Power’s cold grasp tightens with each passing hour,
Freezing the hopes that once dared to flower.

So here stands the world, a monument to ice,
Where sorrow and greed both carve their vice.
Beneath the frozen sky, in the land so stark,
The warmth of compassion has left its mark.

BY;- SHUBHIT XII-A

EMBERS IN THE FROST

In a world carved from ice, where shadows softly fall,
Glacial tears trace the land, echoing a silent call.
The chill of greed spreads wide, with a cold, unyielding grasp,
Freezing the warmth of hope in a bitter, frigid clasp.

Yet beneath the frost's hard veil, a flicker faint and bright,
The heart's warm whispers fight against the endless night.
In the coldest depths, compassion’s ember still may spark,
A fragile light that defies the world's encroaching dark.

B.Y.;-_SHUBHIT_XII``A

ECHOES OF THE FORGOTTEN

In the quiet town of Eldridge, rumours spread of children vanishing into thin air. Thomas, a curious journalist, was drawn to the mystery. He discovered a pattern: each disappearance occurred after a haunting melody filled the streets. His investigation led him to an old, decrepit mansion where a reclusive musician, Sebastian, was rumoured to live.

One stormy night, Thomas braved the mansion's eerie corridors and found Sebastian playing a haunting tune on an ancient piano. The melody was mesmerizing yet sinister. Sebastian's eyes glinted with malevolence as he played, and Thomas realized the music was more than just sound—it was a curse.

Suddenly, Thomas was enveloped by a cold mist, and his surroundings began to blur. In a panic, he tried to flee, but the melody wrapped around him like chains. Before he could react, he vanished into the mist, leaving no trace behind.

When Thomas's disappearance was reported, no one believed his claims of the cursed musician. His name became synonymous with fanciful tales and deceit. Eldridge moved on, dismissing him as a liar, while the melody continued to haunt the shadows of the mansion.

JAYESH XI B

MEMORIES AND NOSTALGIA

Memories stay with us, forever in our heart
Moments from the past, never to depart,
Laughter, tears, and joy, all mixed in time
Precious memories, like a rhyme...
Childhood days, so pure and bright
Summer sunshine, warm and light,
Friendships and love, that never fade
Memories we treasure, in every shade...
Nostalgia whispers, of days gone by
Footprints of memories, that touch the sky,
Bittersweet moments, that make us smile
Memories and Nostalgia, all the while...
So let's hold on tight, to these memories dear
And cherish the moments, that bring us near,
To the joy and love, that we have known
Memories and Nostalgia are the two things that hits
us like an unknown...!!

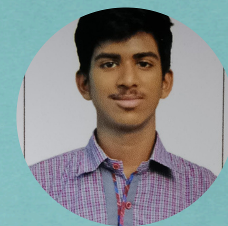

BISHWOJIT
XII B

LOST FEELING

I wake up in the morning, feeling empty and grey
The world outside is moving, but I'm stuck in a confusing way,
My mind is a maze, with thoughts that never cease
A constant battle, with no victory and release...

I try to put on a mask, to hide my pain
But it's hard to pretend, when the hurt remains,
I feel like I'm drowning, in a sea of despair
With no lifeline and no one to care...

The pressure to succeed, the expectations high
A never ending cycle, that makes me want to cry,
I'm searching for a light, in this darkest night
A signal of hope, to guide me to the light...

If you're are feeling lost, like me
Just know you are not alone, we are a family,
Let's rise up, and shine a light
On the darkness that haunts, and the struggles we light

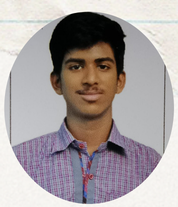

BISHWOJIT
XII B

KARTAVYA 12TH C

VEDIKA 6TH C

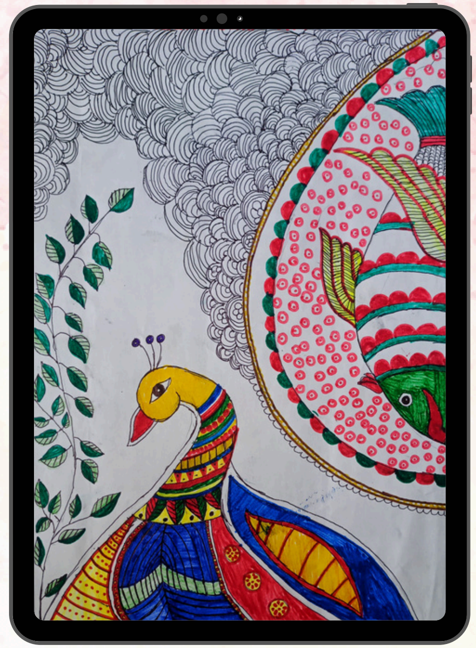

AYUSHMAN PANDEY 7TH B

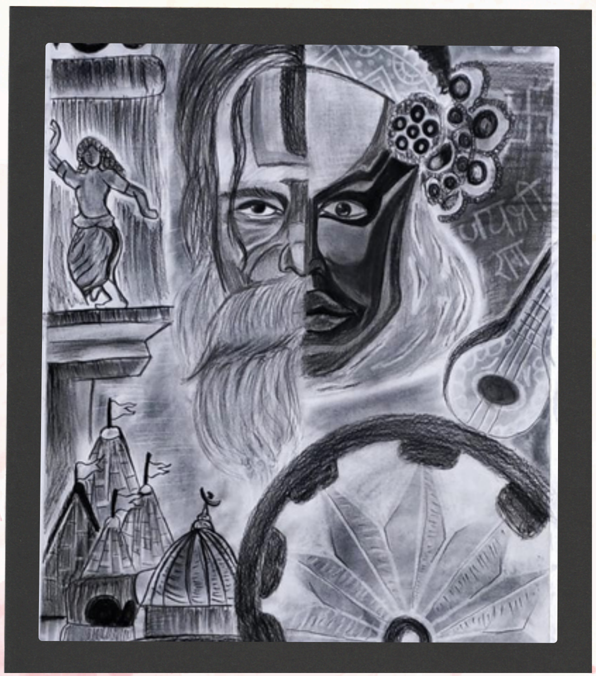

KARTIK 7TH A

SAMAR YADAV 12TH B

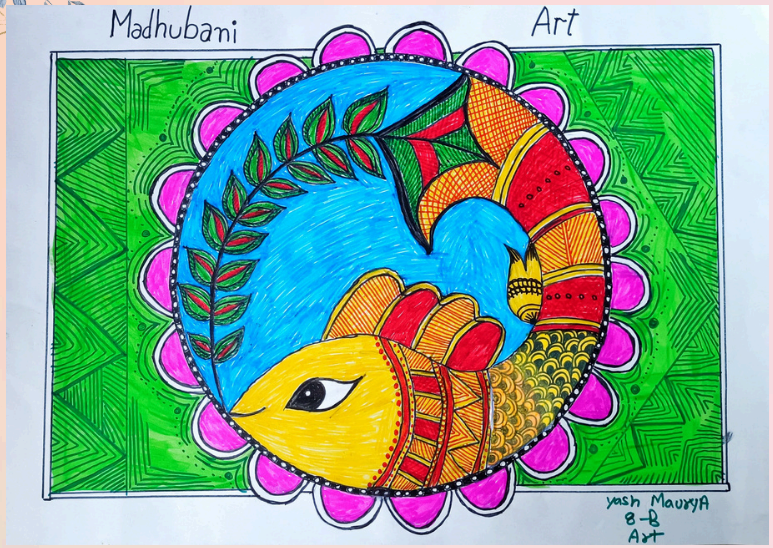

YASH MAURYA 8TH B

CHARVI 6TH C

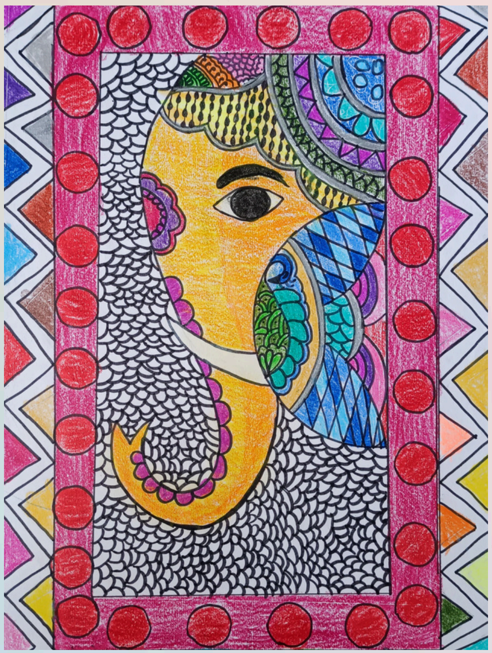

DHRITI SHARMA
6TH C

PRANJAL
9TH C

KUSHAGRA NIGAM
7TH B

SAMAR
YADAV

XII B

Shri Sanatan Dharam
Saraswati Bal Mandir
Senior Secondary School

@shrisanatandharamsaraswati556

sbmpunjabibagh